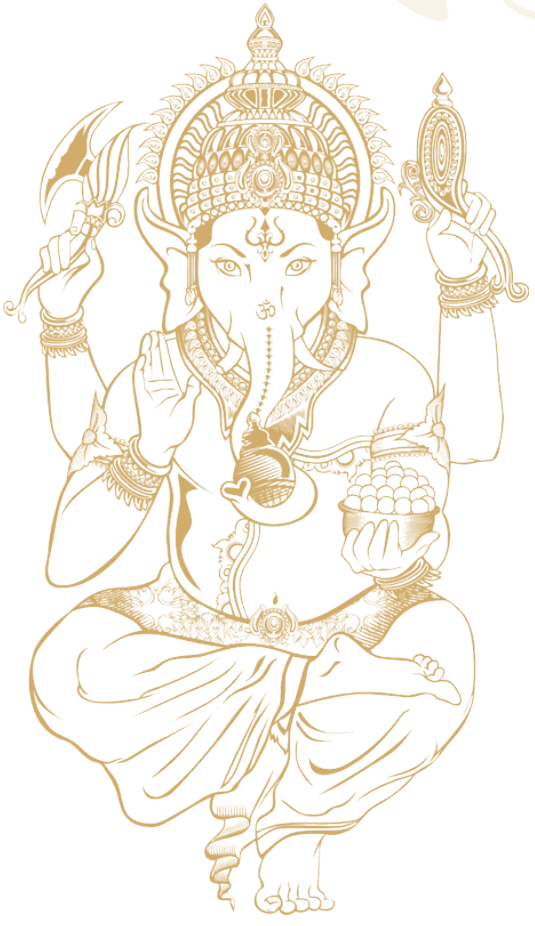

Surksha devi

01 Dec 2014

05:31 AM

Jammu

Model: web-freekundliweb

Order No: 121448311

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**30-01/12/2014**
दिन	रवि-सोमवार
जन्म समय	**05:31:00 घंटे**
इष्ट	55:42:54 घटी
स्थान	**Jammu**
राज्य	Jammu and Kashmi
देश	India

अक्षांश	32:42:00 उत्तर
रेखांश	74:52:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:30:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	05:00:28 घंटे
वेलान्तर	00:11:26 घंटे
साम्पातिक काल	09:39:34 घंटे
सूर्योदय	07:13:50 घंटे
सूर्यास्त	17:24:26 घंटे
दिनमान	10:10:36 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	14:38:09 वृश्चिक
लग्न के अंश	22:11:21 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**उ०भाद्रपद - 1**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	वज्र
करण	तैतिल
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सर्प
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	दू-दूधेश्वर
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	22:11:21	299:36:41	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	---
सूर्य			वृश्चि	14:38:09	01:00:48	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	मित्र राशि
चंद्र			मीन	05:13:39	13:58:15	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	सम राशि
मंगल			मक	02:50:37	00:46:19	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	उच्च राशि
बुध		अ	वृश्चि	10:30:23	01:34:29	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	सूर्य	सम राशि
गुरु			कर्क	28:27:37	00:01:31	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	उच्च राशि
शुक्र			वृश्चि	23:45:59	01:15:19	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	मंगल	सम राशि
शनि		अ	वृश्चि	03:21:41	00:07:04	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	शत्रु राशि
राहु			कन्या	24:02:20	00:01:15	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	मंगल	मूलत्रिकोण
केतु			मीन	24:02:20	00:01:15	रेवती	3	27	गुरु	बुध	मंगल	मूलत्रिकोण
हर्ष	व		मीन	18:41:20	00:01:02	रेवती	1	27	गुरु	बुध	केतु	---
नेप			कुंभ	10:47:41	00:00:31	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	---
प्लूटो			धनु	18:04:11	00:01:49	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	मंगल	---
दशम भाव			कर्क	28:28:29	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:03:59

लग्न-चलित

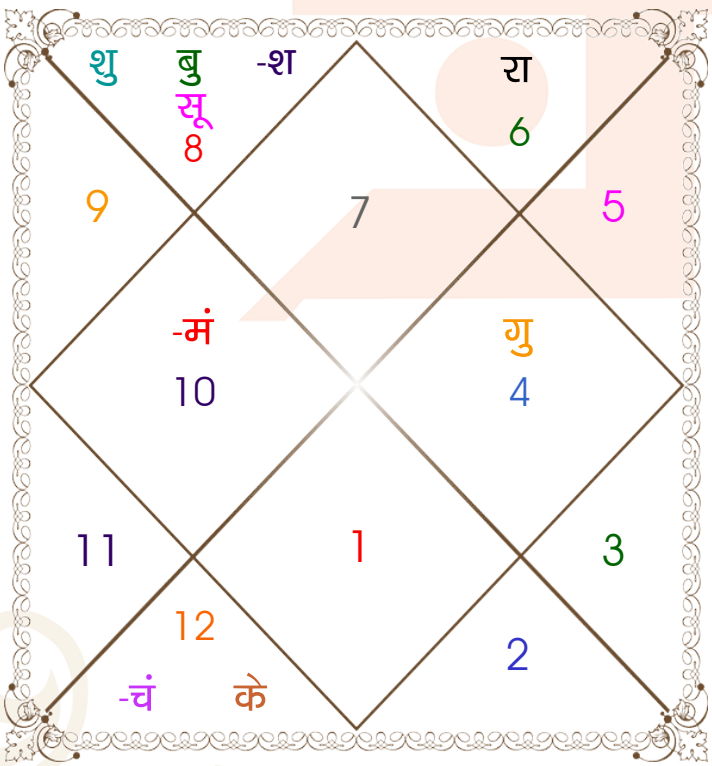

चन्द्र कुंडली

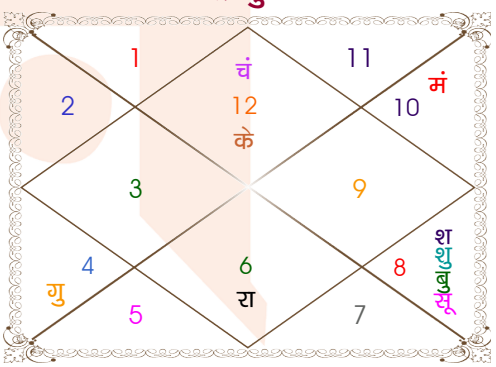

नवमांश कुंडली

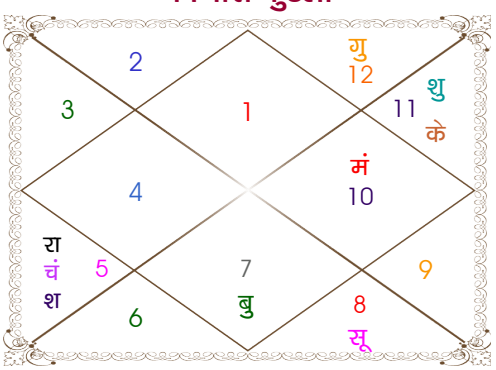

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 16 वर्ष 3 मास 18 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
01/12/2014		21/03/2031		20/03/2048		21/03/2055		21/03/2075	
21/03/2031		20/03/2048		21/03/2055		21/03/2075		20/03/2081	
शनि	24/03/2015	बुध	16/08/2033	केतु	16/08/2048	शुक्र	20/07/2058	सूर्य	08/07/2075
बुध	01/12/2017	केतु	13/08/2034	शुक्र	16/10/2049	सूर्य	20/07/2059	चंद्र	07/01/2076
केतु	10/01/2019	शुक्र	13/06/2037	सूर्य	21/02/2050	चंद्र	20/03/2061	मंगल	14/05/2076
शुक्र	11/03/2022	सूर्य	20/04/2038	चंद्र	22/09/2050	मंगल	20/05/2062	राहु	07/04/2077
सूर्य	21/02/2023	चंद्र	19/09/2039	मंगल	18/02/2051	राहु	20/05/2065	गुरु	25/01/2078
चंद्र	22/09/2024	मंगल	15/09/2040	राहु	08/03/2052	गुरु	19/01/2068	शनि	07/01/2079
मंगल	31/10/2025	राहु	05/04/2043	गुरु	12/02/2053	शनि	21/03/2071	बुध	13/11/2079
राहु	06/09/2028	गुरु	11/07/2045	शनि	23/03/2054	बुध	18/01/2074	केतु	20/03/2080
गुरु	21/03/2031	शनि	20/03/2048	बुध	21/03/2055	केतु	21/03/2075	शुक्र	20/03/2081

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
20/03/2081		21/03/2091		20/03/2098		21/03/2116		21/03/2132	
21/03/2091		20/03/2098		21/03/2116		21/03/2132		00/00/0000	
चंद्र	18/01/2082	मंगल	17/08/2091	राहु	02/12/2100	गुरु	09/05/2118	शनि	02/12/2134
मंगल	20/08/2082	राहु	03/09/2092	गुरु	27/04/2103	शनि	19/11/2120		00/00/0000
राहु	18/02/2084	गुरु	10/08/2093	शनि	03/03/2106	बुध	25/02/2123		00/00/0000
गुरु	19/06/2085	शनि	19/09/2094	बुध	19/09/2108	केतु	01/02/2124		00/00/0000
शनि	19/01/2087	बुध	16/09/2095	केतु	08/10/2109	शुक्र	02/10/2126		00/00/0000
बुध	19/06/2088	केतु	12/02/2096	शुक्र	08/10/2112	सूर्य	21/07/2127		00/00/0000
केतु	18/01/2089	शुक्र	13/04/2097	सूर्य	01/09/2113	चंद्र	19/11/2128		00/00/0000
शुक्र	19/09/2090	सूर्य	19/08/2097	चंद्र	03/03/2115	मंगल	26/10/2129		00/00/0000
सूर्य	21/03/2091	चंद्र	20/03/2098	मंगल	21/03/2116	राहु	21/03/2132		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 16 वर्ष 3 मा 21 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विश्वाखा नक्षत्र के प्रथम चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुला लग्न के संयोजन से मेदिनीय क्षितिज पर जन्मकाल मेष नवमांश एवं मिथुन द्रेष्काण से यह स्मरणीय है कि आप अत्यंत आलसी प्रवृति के प्राणी हैं। इसके प्रभाव से यह भी स्पष्ट है कि आपका भविष्य ईश्वर की अनुकंपा से सांसारिक सुखों से युक्त एवं आप विलासप्रिय जीवन व्यतीत करेंगे।

आप धन संचित करने के लिए अन्य की अपेक्षा अति अनुकूल तरीके से प्रस्तुत होंगे। इस बात से यह भी स्पष्ट है कि आपमें धनोपार्जन की सभी दाव पेंच विद्यमान है। साथ ही आप दो पक्ष को कलह की स्थिति में लाकर अपना लाभ प्राप्त करेंगे। आप मुख्य रूप से अपनी आयु के प्रथम 21 वें वर्ष से 38 वें वर्ष तक 34 वे वर्ष के समयावधि में बहुत धन उपार्जन करेंगे।

आप अनुचित तरीके से बहुसंख्यक व्यक्तियों पर अहंकार की भावना से अधीर होकर आक्रमणकारी रूख आपना कर उसे तंग करने की प्रवृति रखेंगे। अधिकांश व्यक्ति जो आपके संपर्क में आएंगे वे आपकी बचकाना आचरण से अप्रसन्न रह कर आपके शत्रु बन जाएंगे। परंतु आपको अपनी चारित्रिक उच्चता हेतु उत्तम यह है कि आप शक्ति सम्पन्नता प्राप्त करें। अर्थात् मानवीय शक्ति संग्रह करें। तथापि वे लोग आपके स्थायी शत्रु बन ही जाएंगे।

आपका संदिग्ध चरित्र आपकी प्रभावशाली छवि को बेनकाव कर आपको बहुचर्चित एवं कुख्यात प्रदर्शित करेगा। आप धैर्यपूर्वक अपने व्यवहार को नीति पूर्ण बनाकर व्यवहारणीय बनाएं। अन्यथा आपकी समस्त धारणा कलुषित प्रमाणित होगी।

यदि आपकी ऐसी अभिलाषा है कि आप अपने घरेलू वातावरण एवं अपने परिवारिक जीवन को सुव्यवस्थित रखें तो सदा सर्वदा के लिए कुटनीतिज्ञ तरीके का संपादन करना अनुकूल होगा।

संप्रति आप अति वासना प्रिय व्यक्ति हैं। आप अपने जीवन संगिनी की सभी आवश्यकताओं की पूर्ति नहीं कर सके तथा वातावरण छिन्न भिन्न रहा तो आप संतुष्ट तथा प्रसन्न नहीं रहेंगे। आप सावधानी पूर्वक पारिवारिक एवं घरेलू जीवन प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत हो सकता है।

आपकी पत्नी आपको सदैव अच्छी प्रकार से प्रसन्न रखेगी तथा ऐसी आशा है कि आप सदैव अच्छी संतानों का सुख प्राप्त करेंगे।

आप निरंतर कुशलता पूर्वक सक्रिय रहने वाले प्राणी हैं। आप धनोपार्जन हेतु पूर्ण रूपेण लक्ष्य के प्रति समर्पित होकर अनेक यात्रा करेंगे। आप असामयिक भोजन एवं मद्य पान एवं अति भोजन के कुप्रभाव से कुछ समय के पश्चात आपके उत्तम स्वास्थ्य को प्रभावित कर देगा। आप यदि ऐसा चाहते हैं कि भविष्य में संभावित रोग यथा ट्यूमर, रक्त प्रवाह की न्यूनता संबंधी आदि रोगों से मुक्त रहें तथा मस्तिष्क रोग एवं मूत्र संबंधी रोग की परेशानी से

वंचित रहें तो खान-पान के संबंध में सतर्कता पूर्वक आचरण करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आप अंकों में 3, 5, 6 एवं 9 अंक को छोड़कर 1, 2, 4 एवं 7 अंक का व्यवहार करें क्योंकि ये अंक अनुकूल फलदायी है।

आप रंगों में लाल, नारंगी एवं सफेद रंग को धारण करें तथा रंग पीला एवं हरा रंग आपके लिए त्याज्य हैं।